

25/11/25 परावर्तनी चक्रा डूडी। वहुनाम कसिकेन उपस्थित।
 सार्फ का सामान्य परम रणक्षिप क्षिप्य मात्रा दे।
 किलेके विधायन यत्नाय से मित्रण माकर
 रणणे क्षिपे क्षिप्य रण्य। परावर्तनी क्षिप्य
 सुमर एकल कोषिषले ककर (देव)